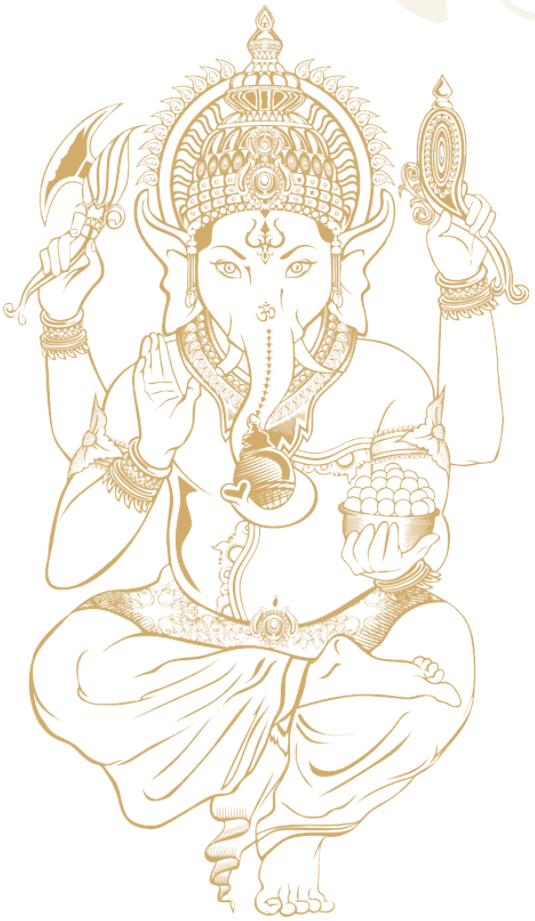

Sanjeev

25 Oct 1999

04:16 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121461702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/10/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**16:16:00 घंटे**
इष्ट	24:29:48 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:54:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:53 घंटे
साम्पातिक काल	18:08:25 घंटे
सूर्योदय	06:28:04 घंटे
सूर्यास्त	17:42:16 घंटे
दिनमान	11:14:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	07:43:20 तुला
लग्न के अंश	09:08:47 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	09:08:47	515:05:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			तुला	07:43:20	00:59:46	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			मेष	15:40:15	14:56:36	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
मंगल			धनु	12:14:45	00:43:59	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	01:49:37	00:57:57	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु	व		मेष	05:51:03	00:08:07	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	21:20:33	00:57:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	20:48:59	00:04:39	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	15:15:20	00:11:16	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	15:15:20	00:11:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:00:52	00:00:07	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:46:25	00:00:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	15:04:23	00:01:57	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	08:04:31	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:01

लग्न-चलित

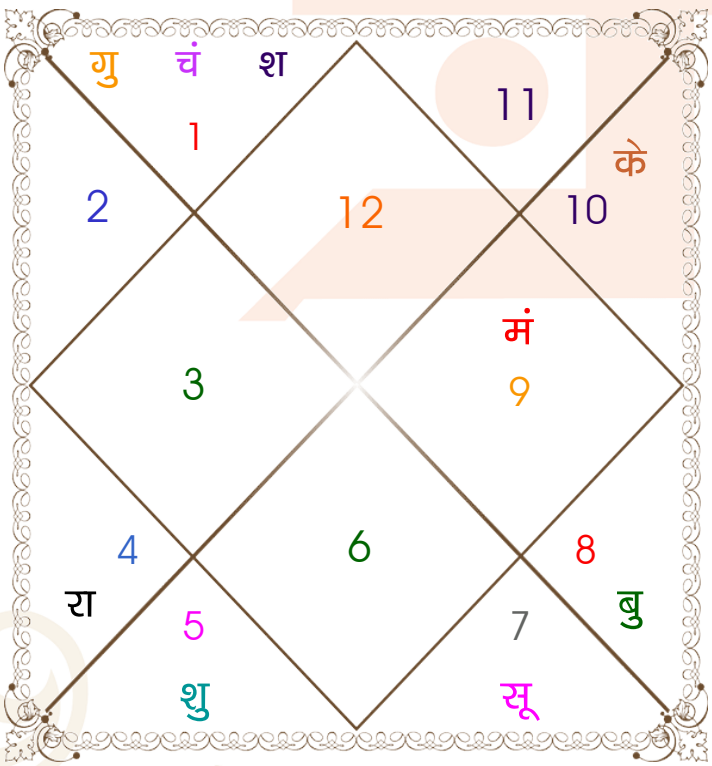

चन्द्र कुंडली

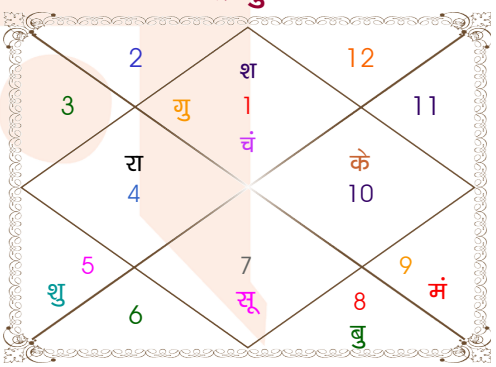

नवमांश कुंडली

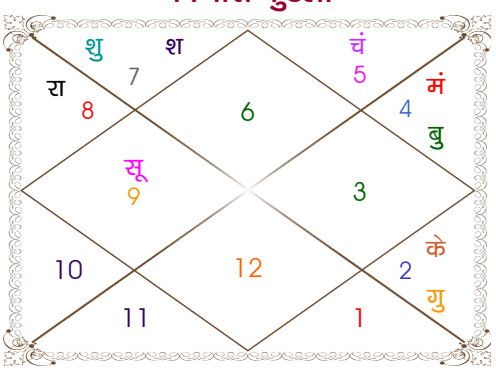

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 5 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/10/1999		22/04/2016		23/04/2022		22/04/2032		23/04/2039	
22/04/2016		23/04/2022		22/04/2032		23/04/2039		23/04/2057	
	25/10/1999	सूर्य	10/08/2016	चंद्र	21/02/2023	मंगल	19/09/2032	राहु	03/01/2042
सूर्य	22/08/2000	चंद्र	09/02/2017	मंगल	22/09/2023	राहु	07/10/2033	गुरु	29/05/2044
चंद्र	23/04/2002	मंगल	17/06/2017	राहु	23/03/2025	गुरु	13/09/2034	शनि	05/04/2047
मंगल	23/06/2003	राहु	11/05/2018	गुरु	23/07/2026	शनि	23/10/2035	बुध	22/10/2049
राहु	23/06/2006	गुरु	27/02/2019	शनि	22/02/2028	बुध	19/10/2036	केतु	10/11/2050
गुरु	21/02/2009	शनि	09/02/2020	बुध	23/07/2029	केतु	17/03/2037	शुक्र	10/11/2053
शनि	22/04/2012	बुध	16/12/2020	केतु	21/02/2030	शुक्र	17/05/2038	सूर्य	04/10/2054
बुध	21/02/2015	केतु	23/04/2021	शुक्र	23/10/2031	सूर्य	22/09/2038	चंद्र	04/04/2056
केतु	22/04/2016	शुक्र	23/04/2022	सूर्य	22/04/2032	चंद्र	23/04/2039	मंगल	23/04/2057

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/04/2057		23/04/2073		22/04/2092		24/04/2109		23/04/2116	
23/04/2073		22/04/2092		24/04/2109		23/04/2116		00/00/0000	
गुरु	11/06/2059	शनि	26/04/2076	बुध	19/09/2094	केतु	20/09/2109	शुक्र	24/08/2119
शनि	22/12/2061	बुध	04/01/2079	केतु	16/09/2095	शुक्र	20/11/2110	सूर्य	26/10/2119
बुध	29/03/2064	केतु	12/02/2080	शुक्र	17/07/2098	सूर्य	28/03/2111		00/00/0000
केतु	05/03/2065	शुक्र	14/04/2083	सूर्य	24/05/2099	चंद्र	27/10/2111		00/00/0000
शुक्र	04/11/2067	सूर्य	26/03/2084	चंद्र	23/10/2100	मंगल	24/03/2112		00/00/0000
सूर्य	22/08/2068	चंद्र	25/10/2085	मंगल	20/10/2101	राहु	12/04/2113		00/00/0000
चंद्र	22/12/2069	मंगल	04/12/2086	राहु	09/05/2104	गुरु	18/03/2114		00/00/0000
मंगल	28/11/2070	राहु	10/10/2089	गुरु	15/08/2106	शनि	27/04/2115		00/00/0000
राहु	23/04/2073	गुरु	22/04/2092	शनि	24/04/2109	बुध	23/04/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।